C O N T E N T S

Seventeenth Series, Vol. XI, Fifth Session, 2021/1942 (Saka)
No. 13, Monday, March 8, 2021/Phalguna17,1942 (Saka)

OBITUARY REFERENCES 9-11

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Starred Question Nos. 181 to 200 12-68

Unstarred Question Nos. 2071 to 2300 69-603

REFERENCE BY THE SPEAKER
International Women's Day 604

ANNOUNCEMENTS BY THE SPEAKER
(i) Receipt of Message from the President 605
(ii) Sitting of the House 605

PAPERS LAID ON THE TABLE 607-611

STANDING COMMITTEE ON SCIENCE AND TECHNOLOGY, ENVIRONMENT, FORESTS AND CLIMATE CHANGE
341st to 347th Reports 613-614

STANDING COMMITTEE ON HEALTH AND FAMILY WELFARE
125th to 127th Reports 615

STANDING COMMITTEE ON ENERGY
6th and 7th Reports 616

STANDING COMMITTEE ON RAILWAYS
6th and 7th Reports 617

STANDING COMMITTEE ON WATER RESOURCES
10th and 11th Reports 618

STANDING COMMITTEE ON URBAN DEVELOPMENT
5th Report 619

STATEMENTS BY MINISTER

(i)(a) Status of implementation of the recommendations contained in the 2nd Report of the Standing Committee on Finance on Demands for Grants (2019-20) pertaining to the Department of Revenue, Ministry of Finance 620

(b) Status of implementation of the recommendations contained in the 8th Report of Standing Committee on Finance on Demands for Grants (2020-21) pertaining to the Department of Revenue, Ministry of Finance

Shri Anurag Singh Thakur 621

DISCUSSION UNDER RULE 193

Empowerment of Women 622-626, 652-665

Dr.Beesetti Venkata Satyavathi 652-656

Dr. Sanghamitra Maurya 657-659

Shrimati Satabdi Roy (Banerjee) 660-661

Shrimati Navneet Ravi Rana 662-665

MATTERS UNDER RULE 377 628-649

(i) Regarding inclusion of more products in Second Schedule of the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority Act (APEDA Act)

Shri Jagdambika Pal 628-629

(ii) Need to provide stoppage of train Nos. 05114, 05113, 55008 and 55007 at Tariasujan Railway station in Kushinagar district, Uttar Pradesh

Dr. Ramapati Ram Tripathi 630

(iii) Need to construct a bridge on National Highway No. 30 between Raipur and Dhamtari in Chhattisgarh

Shri Chunnilal Sahu 631

(iv) Regarding implementation of Atal Bhu-Jal Yojana in Dausa Parliamentary Constituency, Rajasthan

Shrimati Jaskaur Meena 632

(v) Need to upgrade Lion Safari Park in Etawah Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh as National Safari Park

Dr. Ram Shankar Katheria 633

(vi) Need to set up a Munsiff Court at Bilhaur Tehsil headquarters in Kanpur Nagar district, Uttar Pradesh

Shri Ashok Kumar Rawat 634-635

(vii) Need to shift the food stalls located near Foot over bridge on Ahmedabad Railway Station platform

Shri Hasmukhbhai S. Patel 636

(viii) Need to install 10 KW transmitter for FM broadcast in Amreli Parliamentary Constituency, Gujarat

Shri Naranbhai Kachhadiya 637

(ix) Need to construct a bridge on Bawanthadi river between Bhandara district (Maharashtra) and Balaghat disrict (Madhya Pradesh)

Dr. Dhal Singh Bisen 638

(x) Need to set up an AIIMS in Hamirpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh

Kunwar Pushpendra Singh Chandel 639

(xi) Need to restore passenger train services

Shri Rahul Kaswan 640

(xii) Regarding revival of Cinchona plantations in Darjeeling and Kalimpong

Shri Raju Bista 641

(xiii) Regarding effective implementation of the Rights of Persons with Disability Act

Shri Vincent H. Pala 642

(xiv) Regarding construction of Rail overbridge in Chennai

Dr. Kalanidhi Veeraswamy 643

(xv) Regarding withdrawal of excise duty on petroleum products

Prof. Sougata Ray 644

(xvi) Need to construct a bridge on Kao River in Rohtas district, Bihar

Shri Mahabali Singh 645

(xvii) Need to restart Hindi language based services of Akashvani

Shri Bhartruhari Mahtab 646

(xviii) Regarding infrastructural needs in tandem with ecology and environmental aspect of Lakshadweep Island

Shri Mohammed Faizal P.P. 647

(xix) Regarding closure of NTPC Kendriya Vidyalaya in Kayamkulam

Adv. A.M. Ariff 648

(xx) Regarding upgradation of existing infrastructure in ESI Model and Super Speciality Hospital in Asramam, Kollam

Shri N.K. Premachandran 649

***ANNEXURE – I**

Member-wise Index to Starred Questions 638

Member-wise Index to Unstarred Questions 639-644

***ANNEXURE – II**

Ministry-wise Index to Starred Questions 645

Ministry-wise Index to Unstarred Questions 646

* Available in Master copy of the Debate, placed in Library.

OFFICERS OF LOK SABHA

THE SPEAKER

Shri Om Birla

PANEL OF CHAIRPERSONS

Shrimati Rama Devi

Dr. (Prof.) Kirit Premjibhai Solanki

Shri Rajendra Agrawal

Shrimati Meenakashi Lekhi

Shri Kodikunnil Suresh

Shri A. Raja

Shri P.V. Midhun Reddy

Shri Bhartruhari Mahtab

Shri N.K. Premachandran

Dr. Kakoli Ghosh Dastidar

SECRETARY GENERAL

Shri Utpal Kumar Singh

LOK SABHA DEBATES

LOK SABHA

<u>Monday, March 8, 2021/ Phalguna 17,1942 (Saka)</u>

The Lok Sabha met at Sixteen of the Clock.

[HON. SPEAKER *in the Chair*]

OBITUARY REFERENCES

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मुझे अत्यंत दुःख के साथ हमारे दो साथियों श्री मोहन एस. देलकर और श्री नन्द कुमार सिंह चौहान तथा सात पूर्व साथियों, सर्वश्री राजेंद्र कुमार शर्मा, सरत कर, एम.आर. कादंबुर जनार्तनन, एम. दीवीकन, महावीर भगोरा, कैप्टन सतीश शर्मा और डी. पंडियन के निधन के संबंध में सभा को सूचित करना है।

श्री मोहन एस. देलकर वर्तमान लोक सभा के सदस्य थे। वह 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं, 13वीं तथा 14वीं लोक सभा के सदस्य थे। उन्होंने दादरा और नागर हवेली तथा दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्र के दादरा और नागर हवेली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। श्री देलकर विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य रहे। एक सक्रिय सामाजिक और राजनीतिक नेता, श्री देलकर ने दादरा और नागर हवेली के निवासियों के उत्थान के लिए लगातार काम किया। श्री मोहन एस. देलकर का निधन 22 फरवरी, 2021 को मुंबई में 58 वर्ष की आयु में हुआ ।

श्री नंद कुमार सिंह चौहान वर्तमान लोक सभा के सदस्य थे। वे 11वीं, 12वीं, 13वीं, 14वीं और 16वीं लोक सभा के सदस्य रहे, जिन्होंने मध्य प्रदेश के खंडवा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले श्री चौहान 1985 से 1996 तक मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। एक योग्य सांसद, श्री चौहान विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य रहे । श्री नंद कुमार सिंह चौहान का निधन 68 वर्ष की आयु में 2 मार्च 2021 को गुरुग्राम में हुआ।

श्री राजेंद्र कुमार शर्मा छठी एवं 10वीं लोक सभा के सदस्य थे, जिन्होंने उत्तर प्रदेश के रामपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले श्री शर्मा 1969 से 1974 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे, जिन्होंने उत्तर प्रदेश विधान सभा की विभिन्न समितियों में सदस्य के रूप

में कार्य किया। श्री राजेंद्र कुमार शर्मा का निधन 20 अगस्त, 2020 को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 80 वर्ष की आयु में हुआ ।

श्री सरत कर छठी लोक सभा के सदस्य थे, जिन्होंने ओड़िशा के कटक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। श्री सरत कर तीन कार्यकाल के लिए ओडिशा विधान सभा के सदस्य भी रहे और उन्हें ओड़िशा विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का गौरव प्राप्त हुआ। श्री सरत कर ने ओड़िशा सरकार में कई कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में भी कार्य किया। वे ओड़िशा विधान सभा की विभिन्न समितियों के सभापति भी रहे। श्री सरत कर का निधन 12 अक्टूबर, 2020 को ओड़िशा के भुवनेश्वर में 81 वर्ष की आयु में हुआ।

श्री एम. आर. कादंबुर जनार्तनन 8वीं, 9वीं, 10वीं और 12वीं लोकसभा के सदस्य थे, जिन्होंने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। श्री जनार्तनन ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया।

श्री जनार्तनन एक योग्य सांसद थे और विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य थे।

श्री एम. आर. कादंबुर जनार्तनन का निधन 26 दिसम्बर, 2020 को तमिलनाडु के तूथुकुडी में 91 वर्ष की आयु में हुआ था।

श्री एम. दीवीकन चौथी और पांचवीं लोक सभा के सदस्य थे, जिन्होंने तमिलनाडु के कल्लाकुरिची संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

श्री एम. दीवीकन का निधन 11 जनवरी, 2021 को 86 वर्ष की आयु में तमिलनाडु के चेन्नई में हुआ था।

श्री महावीर भगोरा राजस्थान के तत्कालीन सालंबुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 14वीं लोक सभा के सदस्य थे।

इससे पहले श्री महावीर भगोरा 1993 से 1998 तक राजस्थान विधान सभा के सदस्य थे।

श्री महावीर भगोरा का निधन 16 जनवरी, 2021 को 73 वर्ष की आयु में राजस्थान के उदयपुर में हुआ था।

कैप्टन सतीश शर्मा ने 10वीं और 11वीं लोक सभा में उत्तर प्रदेश के अमेठी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का और 13वीं लोक सभा में उत्तर प्रदेश के रायबरेली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इससे पहले कैप्टन सतीश शर्मा तीन कार्यकाल तक राज्य सभा के सदस्य रहे।

कैप्टन सतीश शर्मा ने 1993 से 1996 तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में केन्द्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया।

कैप्टन सतीश शर्मा का 73 साल की आयु में 17 फरवरी, 2021 को गोवा में निधन हो गया।

श्री डी. पंडियन 9वीं और 10वीं लोक सभा के सदस्य थे, जिन्होंने तमिलनाडु के तत्कालीन मद्रास उत्तर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

श्री डी. पंडियन का निधन 26 फरवरी, 2021 को चेन्नई में 88 वर्ष की आयु में हुआ था।

हम अपने साथियों और पूर्व साथियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और यह सभा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर के लिए मौन रहेगी।

16.05 hrs

The Members then stood in silence for a short while.

माननीय अध्यक्ष : ऊं शांति। ऊं शांति। ऊं शांति:।

---

*WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS
(Starred Question Nos.181 to 200)
Unstarred Question Nos.2071 to 2300)
(Page No. 12-603)

* Available in Master copy of the Debate, placed in Library.

माननीय अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही शाम 5 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The Lok Sabha then adjourned till Seventeen of the Clock.

17.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Seventeen of the Clock.

(Hon. Speaker *in the Chair)*

…(व्यवधान)

REFERENCE BY THE SPEAKER

International Women's Day

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी जानते हैं, 8 मार्च पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। मैं इस अवसर पर हमारी महिला सांसदों के साथ-साथ देश-विदेश की सभी महिलाओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। आज का दिन महिलाओं की उपलब्धियों एवं उनके उत्कृष्ट कार्यों का उत्सव मनाने का दिन है। आज के दिन महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं, उन्हें याद करने का दिन है।

मैं इस सदन की ओर से भारत और विश्व की महिलाओं के द्वारा समाज, देश और समस्त मानवता के प्रति की गई उनकी निःस्वार्थ सेवा के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पुनः शुभकामनाएं देता हूं।

…(व्यवधान)

17.01 hrs

ANNOUNCEMENTS BY THE SPEAKER

(i)Receipt of Message from the President

माननीय अध्यक्ष : मुझे सभा को सूचित करना है कि मुझे महामहिम राष्ट्रपति जी से 17 फरवरी, 2021 को निम्नलिखित संदेश प्राप्त हुआ है **:**

> “29 जनवरी, 2021 को, दोनों सदनों की समवेत बैठक में, मेरे द्वारा दिए गए अभिभाषण के लिए लोक सभा के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन मुझे प्राप्त हुआ है।”

…(व्यवधान)

(ii)Sitting of Lok Sabha

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण**,** लोक सभा की बैठक 9 मार्च, 2021 से अपराह्न 4 बजे की बजाय पूर्वाह्न 11 बजे से होगी। माननीय सदस्य लोक सभा दीर्घाओं में भी बैठ सकेंगे।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे पेट्रोलियम उत्पादकों की कीमतों की वृद्धि के संबंध में कई माननीय सदस्यों से स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। यह विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है। परंतु मेरा यह सुझाव है कि माननीय सदस्यगण वित्त विधेयक पर चर्चा के दौरान इस विषय पर अपने विचार सदन के समक्ष रख सकते हैं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने किसी भी स्थगन प्रस्ताव की सूचना के लिए अनुमति प्रदान नहीं की है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आप सब सभा पटल पर पत्र रखने दीजिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब पत्र सभा पटल पर रखे जाएंगे।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप वरिष्ठ सदस्य हैं। जब सभा पटल पर पत्र रखते हैं, तो उसके बाद बोलते हैं।

…(व्यवधान)

17.03 hrs

PAPERS LAID ON THE TABLE

माननीय अध्यक्ष : अब पत्र सभा पटल पर रखे जाएंगे। आइटम नंबर 3 से 5.

श्री अर्जुन राम मेघवाल जी।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल) : माननीय अध्यक्ष महोदय**,** श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूं :-

(1) बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच वर्ष 2020-2021 के लिए हुए समझौता ज्ञापन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3755/17/21]

(2) (एक) भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

(दो) भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम के वर्ष 2019-2020 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा के बारे में विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

(3) उपर्युक्त (2) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3756/17/21]

(4) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 की उप-धारा (1) के अंतर्गत निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

(क) (एक) बामर लॉरी इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड, कोलकाता के वर्ष 2019-2020 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा के बारे में विवरण।

(दो) बामर लॉरी इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड, कोलकाता का वर्ष 2019-2020 का वार्षिक प्रतिवेदन, लेखा-परीक्षित लेखे तथा उन पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

[Placed in Library, See No. LT 3757/17/21]

(ख) (एक) बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड, कोलकाता के वर्ष 2019-2020 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा के बारे में विवरण।

(दो) बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड, कोलकाता का वर्ष 2019-2020 का वार्षिक प्रतिवेदन, लेखा-परीक्षित लेखे तथा उन पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

[Placed in Library, See No. LT 3758/17/21]

(5) भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 45 की उप-धारा (2) के अंतर्गत अधिसूचना सं. सीए-31037/5/2019-सीए/पीएनजी, जो दिनांक 9 नवंबर, 2020 के भारत के राजपत्र में में प्रकाशित हुई थी तथा जो भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान के अध्यादेशों के बारे में है, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3759/17/21]

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल) : माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री अनुराग सिंह ठाकुर जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूं :-

(1) (एक) भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, नई दिल्ली के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

(दो) भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, नई दिल्ली के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

(तीन) भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, नई दिल्ली के वर्ष 2019-2020 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा के बारे में विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) ।

(2) उपर्युक्त (1) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3760/17/21]

(3) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 469 की उप-धारा (3) के अंतर्गत कंपनी (कारपोरेट सामाजिक दायित्व नीति) संशोधन नियम, 2021, जो 22 जनवरी, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि. 40 (अ) में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3761/17/21]

(4) प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 की धारा 64 के अंतर्गत भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (संयोजनों से संबंधित कार्य संचालन के बारे में प्रक्रिया) संशोधन विनियम, 2020, जो 26 नवंबर, 2020 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एफ.सं. सीसीआई/सीडी/संशोधन/संयोजन विनियम/2020 में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3762/17/21]

(5) लागत और संकर्म लेखापाल अधिनियम, 1959 की धारा 40 के अंतर्गत अधिसूचना सं. का.आ. 399(अ) जो 28 जनवरी, 2021 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा 3 अक्तूबर, 2007 की अधिसूचना सं. का.आ. 1693(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3763/17/21]

(6) कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 40 के अंतर्गत दिसंबर, 2020 की अधिसूचना सं. आईसीएसआई सं. 01, जो 23 दिसंबर, 2020 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जो संस्थान की परिषद के सदस्य के त्यागपत्र के बारे में है, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3764/17/21]

(7) साधारण बीमा व्यवसाय (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 की धारा 17क की उप-धारा (5) के अंतर्गत साधारण बीमा (अधिकारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का युक्तिकरण) संशोधन योजना, 2021, जो 9 फरवरी, 2021 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. का.आ. 611(अ) में प्रकाशित हुई थी, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

[Placed in Library, See No. LT 3765/17/21]

(8) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 की उप-धारा (1) के अंतर्गत निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-

(एक) भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक लिमिटेड (आईआईबीआई के इक्विटी शेयरधारकों के लिए आईआईबीआई का स्वैच्छिक समापन), कोलकाता के 31.12.2020 को समाप्त तिमाही के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा।

(दो) भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक लिमिटेड (आईआईबीआई के इक्विटी शेयरधारकों के लिए आईआईबीआई का स्वैच्छिक समापन), कोलकाता के 31.12.2020 को समाप्त तिमाही के लिए परिसमापक का प्रतिवेदन, लेखा-परीक्षित लेखे तथा उन पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

[Placed in Library, See No. LT 3766/17/21]

(9) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, मुंबई के वर्ष 2019-2020 के वार्षिक लेखाओं की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा उन पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

[Placed in Library, See No. LT 3767/17/21]

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल) : माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूं :-

(1) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की वर्ष 2021-2022 की अनुदानों की विस्तृत मांगें।

[Placed in Library, See No. LT 3768/17/21]

(2) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की वर्ष 2021-2022 के लिए निर्गत परिणामी रूपरेखा।

[Placed in Library, See No. LT 3769/17/21]

17.04 hrs

At this stage, Shri Hibi Eden, Prof. Sougata Ray, Dr. T.Sumathy (A) Thamizhachi Thangapandian and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

17.05 hrs

STANDING COMMITTEE ON SCIENCE AND TECHNOLOGY, ENVIRONMENT, FORESTS AND CLIMATE CHANGE

341st to 347th Reports

डॉ. स्वामी साक्षीजी महाराज (उन्नाव) : अध्यक्ष महोदय, मैं विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन संबंधी स्थायी समिति के निम्नलिखित प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूं :-

(एक) परमाणु ऊर्जा विभाग की अनुदानों की मांगों (2021-2022) संबंधी 341वां प्रतिवेदन।

(दो) जैव-प्रौद्योगिकी विभाग की अनुदानों की मांगों (2021-2022) संबंधी 342वां प्रतिवेदन।

(तीन) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की अनुदानों की मांगों (2021-2022) संबंधी 343वां प्रतिवेदन।

(चार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुदानों की मांगों (2021-2022) संबंधी 344वां प्रतिवेदन।

(पांच) अंतरिक्ष विभाग की अनुदानों की मांगों (2021-2022) संबंधी 345वां प्रतिवेदन।

(छह) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अनुदानों की मांगों (2021-2022) संबंधी 346वां प्रतिवेदन।

(सात) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अनुदानों की मांगों (2021-2022) संबंधी 347वां प्रतिवेदन।

…(व्यवधान)

17.06 hrs

STANDING COMMITTEE ON HEALTH AND FAMILY WELFARE
125th to 127th Reports

DR. MAHESH SHARMA (GAUTAM BUDDHA NAGAR): Sir, I beg to lay on the Table a copy each of the following Reports (Hindi and English versions) of the Standing Committee on Health and Family Welfare:

(i) 125th Report on Action Taken by Government on the Recommendations/ Observations contained in its One Hundred Eighteenth Report on Demands for Grants 2020- 21 (Demand No. 42) of the Department of Health and Family Welfare.

(ii) 126th Report on Demands for Grants 2021-22 (Demand No. 44) of the Department of Health and Family Welfare (Ministry of Health and Family Welfare).

(iii) 127th Report on Demands for Grants 2021-22 (Demand No. 45) of the Department of Health Research (Ministry of Health and Family Welfare).

… (*Interruptions*)

17.06½ hrs

STANDING COMMITTEE ON ENERGY
6th and 7th Reports

SHRIMATI ANUPRIYA PATEL (MIRZAPUR): Sir, I beg to present the following Reports (Hindi and English versions) of the Standing Committee on Energy:-

(i) Sixth Report on Demands for Grants (2021-22) relating to the Ministry of New and Renewable Energy.

(ii) Seventh Report on Demands for Grants (2021-22) relating to the Ministry of Power.

… (*Interruptions*)

<u>17.07 hrs</u>

STANDING COMMTTEE ON RAILWAYS
6th and 7th Reports

श्री राधा मोहन सिंह (पूर्वी चंपारण) : अध्यक्ष महोदय, मैं रेल संबंधी स्थायी समिति के निम्नलिखित प्रतिवेदन (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) प्रस्तुत करता हूं :-

(एक) 'रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण सहित यात्री सुविधाएं' संबंधी छठा प्रतिवेदन।

(दो) रेल मंत्रालय की अनुदानों की मांगों (2021-22) संबंधी सातवां प्रतिवेदन।

… (*Interruptions*)

17.07½ hrs

STANDING COMMTTEE ON WATER RESOURCES
10th and 11th Reports

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : अध्यक्ष महोदय, मैं जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति के निम्नलिखित प्रतिवेदन (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) प्रस्तुत करता हूं :-

(एक) जल शक्ति मंत्रालय - जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की 'अनुदानों की मांगों' (2021-22) संबंधी दसवां प्रतिवेदन।

(दो) जल शक्ति मंत्रालय - पेयजल और स्वच्छता विभाग की 'अनुदानों की मांगों' (2021-22) संबंधी ग्यारहवां प्रतिवेदन।

17.08 hrs

STANDING COMMITTEE ON URBAN DEVELOPMENT
5th Report

SHRI JAGDAMBIKA PAL (DOMARIYAGANJ): I beg to present the Fifth Report on Demands for Grants (2021-22) of Ministry of Housing and Urban Affairs (Hindi and English versions) of the Standing Committee on Urban Development.

17.08 ½ hrs

STATEMENTS BY MINISTER

(i) (a) Status of implementation of the recommendations contained in the 2nd Report of the Standing Committee on Finance on Demands for Grants (2019-20) pertaining to the Department of Revenue, Ministry of Finance*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS (SHRI ANURAG SINGH THAKUR): Sir, on behalf of my senior colleague, Shrimati Nirmala Sitharaman, I beg to lay the statement regarding the status of implementation of the recommendations contained in the 2nd Report of the Standing Committee on Finance on Demands for Grants (2019-20) pertaining to the Department of Revenue, Ministry of Finance.

* Laid on the Table and also plaed in Library, See No. LT 3753/17/21

(b) Status of implementation of the recommendations contained in the 8th Report of Standing Committee on Finance on Demands for Grants (2020-21) pertaining to the Department of Revenue, Ministry of Finance*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS (SHRI ANURAG SINGH THAKUR): Sir, on behalf of my senior colleague, Shrimati Nirmala Sitharaman, I beg to lay the statement regarding the status of implementation of the recommendations contained in the 8th Report of the Standing Committee on Finance on Demands for Grants (2020-21) pertaining to the Department of Revenue, Ministry of Finance.

… (*Interruptions*)

* Laid on the Table and plaed in Library, See No. LT 3754/17/21

17.09 hrs

DISCUSSION UNDER RULE 193
Empowernment of Women

माननीय अध्यक्ष : आइटम नम्बर 13.

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। आज सदन में महिलाएं, महिला सशक्तीकरण के विषय पर चर्चा करना चाहती हैं।

आज सारे देश में ही नहीं, पूरे विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। मेरा आप सबसे आग्रह है कि आज यह सदन महिलाओं को समर्पित हो, ताकि इस सदन को आसन से महिला सदस्य संचालित करे और महिलाएं अपने विषय पर एवं देश के अन्य विषयों पर चर्चा करें। इसलिए, माननीय सदस्यगण, मेरा आपसे आग्रह है कि आप कृपया अपने आसन पर विराजें, मैं आपके नेता को बोलने की इजाज़त दूंगा। अब आप बोलिए।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): अध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले सरकार से यह गुजारिश करूंगा कि वूमैन रिजर्वेशन बिल इस सदन में पारित करें। कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस पार्टी की नेत्री मैडम सोनिया गांधी जी ने यह बात स्पष्ट तरीके से कही है कि वूमैन रिजर्वेशन बिल का रिजोल्यूशन आज ही पारित किया जाए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: जब चर्चा और संवाद हो, तब इस पर चर्चा कीजिए।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: अध्यक्ष जी, गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम जिस तरीके से बेतहाशा बढ़ रहे हैं और सरकार महिला दिवस पर चर्चा कर रही है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्दयगण, आज महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर चर्चा लाई गई है। महिलाओं के द्वारा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाया गया है।

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, आप क्या कहना चाहते हैं?

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी): सर, आपने जो निर्णय किया है, वह निर्णय बहुत अहम है। It is very important that you have taken a decision to run the entire House by the lady members. …(*Interruptions*)The entire proceedings of today will be run by the lady members…(*Interruptions*) You have taken this decision. …(*Interruptions*) It is a right decision, Sir. I appeal to them.…(*Interruptions*) Since a Calling Attention is already admitted for women members, it may kindly be allowed to continue. …(*Interruptions*) If they want, this Calling Attention can be converted into a discussion under Rule 193, a Short-Duration Discussion. …(*Interruptions*) गवर्नमेंट उसके लिए भी तैयार है। वूमैन एम्पावरमेंट के बारे में अभी चर्चा होनी है और आपने इसे महिलाओं को समर्पित किया है, पूरी दुनिया में आज महिला दिवस मनाया जा रहा है, इसीलिए हम इस सदन में महिलाओं को इज्ज़त देंगे, महिला सशक्तीकरण के बारे में चर्चा करेंगे। पूरी चर्चा होने दीजिए, रात तक चर्चा चलने दीजिए, हमें कोई एतराज़ नहीं है। इसलिए आपने जो निर्णय किया है, मैं उसकी सराहना करते हुए, आपका अभिनन्दन करते हुए, सभी दलों की महिलाओं से निवेदन करता हूं कि कृपया आप चर्चा में भाग लें, यहां कुछ भी विषय रखना है,

कृपया रखें। हम चर्चा के लिए तैयार हैं। हम शॉर्ट ड्यूरेशन डिसकशन के लिए भी तैयार हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्रीमती हरसिमरत कौर बादल जी, क्या आप कुछ बोलना चाहती हैं?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्रीमती हरसिमरत कौर बादल जी, आप बोलिए।

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल (भटिंडा): शुक्रिया, सर। मैं आपसे निवेदन करूंगी कि आज महिला दिवस है और आज महिलाओं को अफेक्ट करने वाला सबसे गर्म मुद्दा है कि गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ रहे हैं, महंगाई बढ़ रही है।…(व्यवधान)

सर, जहां यह मुद्दा भी जरूरी है, वहीं पहले महिलाओं को चर्चा करने के लिए समय दें और उसके बाद यह एलाऊ करें कि महंगाई के मुद्दे पर, गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती हुई कीमतों को कैसे नीचे लाया जाए, उस पर भी चर्चा जरूर हो। …(व्यवधान) एक महिला परिवार कैसे चलाएगी? आज आप रसोई गैस की कीमत देखिए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आप लोग अपने-अपने आसन पर जाएं। आप लोग चर्चा करना चाहते हैं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप लोग अपनी-अपनी सीट्स पर वापस जाएं।

…(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल: आज आप रसोई गैस की कीमत देख लीजिए। पेट्रोल और डीजल की कीमतें देख लीजिए। जब कच्चे तेल की कीमत घट गई है, तब क्यों केन्द्र की सरकार इसे कम नहीं करती है?

माननीय अध्यक्ष: देश की महिलाएं आज सदन में चर्चा करना चाहती हैं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: देश की महिलाएं आज सदन में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करना चाहती हैं।

…(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल: पंजाब में सबसे ज्यादा टैक्स लगता है। पेट्रोल और डीजल पर जो वैट लगता है, कांग्रेस पार्टी पंजाब में उसे लगा रही है। ये किस मुंह से बोल रहे हैं? पहले अपने राज्यों में टैक्स घटाएं, उसके बाद केन्द्र सरकार को बोलें।

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आप लोग अपनी-अपनी जगह पर विराजें।

…(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल: सर, मैं आपसे निवेदन करूंगी कि इनको बोलने का मौका न दें।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप लोग सदन में अपने-अपने आसन पर विराजें। आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। आप हमारी माननीय महिला सांसदों को अपने विचार व्यक्त करने दें।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आप लोग अपने-अपने आसन पर विराजें।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही शाम सात बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

17.14 hrs

The Lok Sabha then adjourned til Ninteen of the Clock.

<u>19.00 hrs</u>

The Lok Sabha reassembled at Ninteen of the Clock

(Shrimati Rama Devi *in the Chair*)

At this stage Shri Hibi Eden, Prof. Sougata Ray, Shri Kodikunnil Suresh, Dr. T. Sumathy (A) Thamizhachi Thangapandian and some hon. Members came and stood on the floor near the Table.

…(व्यवधान)

19.01 hrs

MATTERS UNDER RULE 377*

माननीय सभापति: माननीय सदस्यगण, जिन माननीय सदस्यों को आज नियम 377 के अधीन मामलों को उठाने की अनुमति प्रदान की गयी है, वे अपने मामलों के अनुमोदित पाठ को 20 मिनट के अंदर व्यक्तिगत रूप से सभा पटल पर रख दें।

(i) Regarding inclusion of more products in Second Schedule of the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority ACT (APEDA ACT)

SHRI JAGDAMBIKA PAL (DOMARIYAGANJ) : The Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority Act (APEDA Act) was amended in 2009 which added Section 10A. This fixed a duty on the APEDA Authority to ensure intellectual property rights protection of special products in India and outside India as well. Special Products are listed in the Second Schedule to the Act. This will provide the much needed boost to demand for special Indian products in international markets. However, till date only "Basmati Rice" has been added to the list of Special Products.

The Central Government must add “Kalanamak Chawal” under Second Schedule. It is a special aromatic rice from Siddharthnagar, Uttar Pradesh. It is famous for its nutritional properties and rich cultural history. It is also known as

---

* Treted as laid on the Table.

Buddha Rice and has garnered huge demand in international markets due to the efforts of the State Government of Uttar Pradesh.

This is very important to ensure that the interests of the farmers are appropriately protected around the world, which will enable a healthy and lasting source of income.

The Government may also consider Navara Rice and Palakkadan Matta Rice from Kerala, Joha Rice from Assam, Gobinbhog Rice from West Bengal, Chakhao Rice from Manipur, etc.

I request the Government to consider adding more products to the Second Schedule to provide a boost to the Special products of India.

(ii) Need to provide stoppage of train Nos. 05114, 05113, 55008 and 55007 at Taria Sujan Railway Station in Kushinagar district, Uttar Pradesh

श्री रमापति राम त्रिपाठी (देवरिया): मैं सरकार से अनुरोध करना चाहुंगा कि हमारे लोक सभा क्षेत्र देवरिया, जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत तरया सुजान रेलवे स्टेशन उत्तर प्रदेश का अन्तिम रेलवे स्टेशन हाने के कारण यंहा से लगभग 50 ग्राम सभा के लोग ट्रेन मार्ग से जुड़े हैं, जिसकी आबादी लगभग पचास हजार से से दो लाख के बीच है । यंहा दियारा क्षेत्र के अहिरौलीदान, बाकखाश, विरवट, बाधाचौर, सिसवा नाहर, मठिया श्रीराम, जमसड़िया, रामपुर, बंगरा आदि गांव के लोग इलाज एवं रोजगार के लिए तरया सुजान रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ते हैं। ट्रेन के अलावा इनके पास यातायात का काई दूसरा साधन नही है, जिस वजह से समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जनहित को ध्यान में रखते हुए तरया सुजान रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों को ठहराव होना अत्यन्त आवश्यक है ।

अत: मैं माननीय रेलमंत्री जी से मांग करता हूं कि तरया सुजान रेलवे स्टेशन पर छपरा वाया गोमती नगर ट्रेन संख्या (05114) ओर ट्रेन संख्या (05113) टाउन तथा गोरखपुर वाया पाटलीपुत्र ट्रेन संख्या (55008), (55007) ट्रेन का ठहराव कराने की कृपा करें ।

(iii) Need to construct a bridge on National Highway No. 30 between Raipur and Dhamtari in Chhattisgarh

श्री चुन्नीलाल साहू (महासमुन्द): छतीसगढ़ मे राष्ट्रीय राजमार्ग 30 का चौड़ीकरण फोर लेन के रूप मे रायपुर से धमतरी तक किया जा रहा है, उक्त मार्ग के दोनों तरफ गाँवो की बसावट है। सड़कों की ऊंचाई बढ़ जाने के कारण किनारे बसे गाँवो जैसे चटौद, दरबा कुरुद एवं डांडेसरा आदि गाँवो के घर सड़क मार्ग से काफी नीचे हो गए है। पानी की निकासी एवं आवागमन की सुविधा बाधित हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग - क्रमांक-30 अंतर्गत चटौद गाँव के प्राथमिक स्कूली बच्चों को भी सड़क पार करने मे भय बना हुआ है। अत: छोटे बच्चो को स्कूल जाने हेतु ओवर हेड (ब्रिज) के निर्माण को अतिशीघ्र कराए की जाने की आवश्यकता है। ओवर हेड वे (ब्रिज) निर्माण हो जाने से बच्चों को तथा अन्य लोगों को दुर्घटनाओं से बचाया जा सकता है। अत: सड़क एवं परिवहन मंत्रालय से मेरी गुजारिश है कि उक्त विषय को संज्ञान मे लेते हुए अतिशीघ्र संबंधित विभागीय अधिकारी को उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया जाय ।

(iv) Regarding implementation of Atal Bhu-Jal Yojana in Dausa Parliamentary Constituency, Rajasthan

श्रीमती जसकौर मीना (दौसा): मेरे संसदीय क्षेत्र के दौसा व बांदीकुई विधानसभा की 2020 में अटल भू-जल योजना स्वीकृत हुई थी । आज 18 माह व्यतीत हाने के बाद भी शुरूआती किसी भी प्रकार का कार्य नही हो पाया, न ही प्रचार-प्रसार कर इसकी जानकारी ग्राम पंचायत को दी गई ।

राजस्थान सरकार भारत सरकार की अति महत्वपूर्ण जल योजनाओं को धरातल तक लाने में असमर्थ है । मेरा संसदीय क्षेत्र जल संग्रहण से ही विकास कर पायेगा । मेरा सुझाव है कि अटल भू-जल येजना का क्रियान्वयन राष्ट्रीय स्तर की स्वयं सेवी संस्थाओं को दिया जाय एवं ग्राम पंचायतों को सीधे धन दिया जाय ।

यह योजना 5 वर्ष की अवधि में पूर्ण होनी चाहिए । जिसका 1.5 वर्ष व्यतीत हो चुका है । कृपया शीघ्र ध्यान दिया जाना चाहिए ।

(v) Need to upgrade Lion Safari Park in Etawah Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh as a National Safari Park

डॉ. रामशंकर कठेरिया (इटावा): मेरे लोकसभा क्षेत्र इटावा में एक लॉयन सफारी पार्क बनाया गया है जिसमें लगभग 18 शेर वर्तमान में मौजूद है एवं अन्य जानवर भी रहतें हैं । मेरा अनुरोध है कि इटावा लॉयन सफारी को राष्ट्रीय सफारी पार्क बनाया जाए जिससे देश एवं विदेशों के पर्यटक आ सकें।

(vi) Need to set up a Munsiff Court at Vilhaur Tehsil headquarters in Kanpur Nagar district, Uttar Pradesh

श्री अशोक कुमार रावत (मिश्रिख): माननीय उच्चतम न्यायालय की मंशा रही है कि न्यायपालिका का विकेन्द्रीकरण करके जनमानस को सुलभ एवं त्वरित न्याय नजदीकतम उपलब्ध हो। माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश से देश के विभिन्न राज्यों की अनेक तहसीलों से मुंसिफ न्यायालयों की स्थापना हो भी चुकी है।

लेकिन मेरे संसदीय क्षेत्र मिश्रिख (उ.प्र.) के अन्तर्गत तहसील बिल्हौर, जो एक अति प्राचीन एवं बड़ी तहसील है और जो जिलाधिकारी, कानपुर नगर के अधीन है, इसमें लगभग 409 राजस्व ग्राम एवं नगर पंचायत तथा एक नगरपालिका परिसर व 4 थाना है। मुख्यालय तहसील बिल्हौर की दूरी जनपद मुख्यालय कानपुर नगर से लगभग 60 कि.मी. तथा जनपद मुख्यालय कानपुर देहात से लगभग 110 कि.मी. तक तहसील सुदूर सीमा जनपद मुख्यालय कानपुर नगर से 75 कि.मी. और जनपद मुख्यालय कानपुर देहात से 125 कि.मी. की दूरी पर स्थित है तथा जनपद मुख्यालय कानपुर देहात जाने हेतु सुलभ यातायात साधनों की अत्यधिक कमी है। जिस कारण वादकारियों को अपने घर से 6 से 8 घण्टे का समय लगता है। इस प्रकार अत्यधिक दूरी एवं यातायात साधनों की किल्लतों की वजह से गरीब वादकारी अपेक्षित न्याय पाने में असमर्थ रहते हैं, जो कि न्याय के नैसर्गिक सिद्धांतों एवं सभ्य समाज तथा उच्चतम न्यायालय की मंशा के भी विपरीत है। तहसील मुख्यालय परिसर बिल्हौर में न्यायालय की स्थापना हेतु पर्याप्त एवं उचित स्थल उपलब्ध है और उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक में बिल्हौर तहसील के आसपास नई एवं क्षेत्रफल में अपेक्षाकृत छोटी तहसीलों में सिविल न्यायालय (मुंसिफ न्यायालय) की स्थापना भी हो चुकी है।

अतः मेरा अनुरोध है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक मे तहसील मुख्यालय बिल्हौर, जनपद कानपुर नगर (उ.प्र.) में अपेक्षित सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की दृष्टि से मुंसिफ न्यायालय की स्थापना करके इसको पुनः कानपुर नगर के न्यायिक क्षेत्र से ही सम्बद्ध किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए ।

(vii) Need to shift the food stalls located near foot overbridge on Ahmedabad Railway Station platform

श्री हँसमुखभाई एस. पटेल (अहमदाबाद पूर्व): मेरे निर्वाचन क्षेत्र अहमदाबाद - पूर्व में अहमदाबाद रेलवे स्टेशन A-1 श्रेणी का रेलवे स्टेशन है और इस स्टेशन का रेलवे मंत्रालय ने हैरिटेज नवीनीकरण किया है और जनता को अत्याधुनिक सुविधाए दी हैं | मै इस सराहनीय कार्य हेतु धन्यवाद करता हूँ | कुछ वर्षों में प्लेटफार्मों की लंबाई में वृद्धि की गयी है, लेकिन स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों के फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) से पहले और बाद में खानपान के स्टाल आवंटित हैं। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर F.O.B के बीच 8 -10 से अधिक स्टॉल हैं। जो बहुत आसपास में हैं | जिससे भीड़भाड़ ज्यादा रहती हे| रेलवे प्लेटफार्म पर अनारक्षित कोच और स्लीपर क्लास में यात्रा करने वाले यात्रियों को उनके कोच के पास खानपान के स्टाल की कोई सुविधा नहीं है | मेरा विनम्र अनुरोध है कि मौजूदा खानपान इकाइयों को एफ.ओ.बी. से हटाकर अनारक्षित कोच और स्लीपर कोच के आसपास उन्नत प्लेटफ़ॉर्म क्षेत्र की ओर दी जाए जंहा पर खानपान की कोई सुविधा नहीं है । यह यात्रियों के लिए उपयोगी होगा और भीड़भाड़ को भी कम करेगा ।

(viii) Need to install 10 KW transmitter for FM broadcast in Amreli Parliamentary Constituency, Gujarat

श्री नारणभाई काछड़िया (अमरेली): वर्तमान में मेरे संसदीय क्षेत्र अमरेली (गुजरात) में केवल 100 वॉट ट्रांसमीटर की क्षमता वाला FM संचालित है जिसकी वेबलेंथ केवल 6-7 किमी० दूरी तक मिलती है जबकि मेरा संसदीय क्षेत्र 60-70 किमी० दूरी तक फैला हुआ है। 100 वॉट ट्रांसमीटर की क्षमता कम होने के कारण पूरे क्षेत्र की जनता को FM का लाभ नहीं मिल रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र का फैलाव ज्यादा होने के कारण यहाँ 10 KW ट्रांसमीटर क्षमता के FM की आवश्यकता है, तभी यहाँ के लोगों को FM का लाभ प्राप्त हो सकेगा। मेरे द्वारा इस विषय को लेकर वर्ष 2014 से अब तक लगातार सबंधित विभाग के समक्ष इस मांग को जोरों से रखा गया है परन्तु अभी तक इस मांग के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हुई है जबकि हमसे बाद में Fm की मांग करने वाले जिले में 10 KW ट्रांसमीटर क्षमता के FM की स्वीकृति दे दी गयी है। अतः मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि उक्त ज्वलंत मामले को अपने संज्ञान में लेकर यथाशीघ्र 10 KW FM ट्रांसमीटर का इंस्टालेशन करवाने की कृपा करें।

(ix) Need to construct a bridge on Bawanthadi river between Bhandra district (Maharashtra) and Balaghat district (Madhya Pradesh)

डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट): मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र सीमा के बालाघाट एवं भंडारा जिले की सीमा रेखा पर बाबनथड़ी नदी पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा लगभग 30 / 40 वर्ष पूर्व पुल का निर्माण कटंगी तुमसर रोड पर बोनकट्टा ग्राम पर बनाया गया है । पुल के लगभग 4 माह से क्षतिग्रस्त होने से आवागमन भंडारा collector महाराष्ट्र, के निर्देश पर पूर्णतः बंद कर दिया गया है । पैदल यात्री भी पुल पार नहीं कर सकते हैं । छोटे व बड़े वाहनों का आवागमन पूर्णतः बंद होने से यात्रियों, मरीजों, व्यवसायियों , किसानों, का आवागमन तुमसर, भंडारा के लिए बंद हो जाने से जनता भारी परेशान है, पुल खराब होने के बाद महाराष्ट्र सरकार द्वारा कोई डायवर्सन भी नदी पर नहीं बनाया गया है, नया पुल बनना अभी तय नहीं किया गया है, अतः इस मार्ग पर महाराष्ट्र सरकार तत्काल पुल बनाए या भारत सरकार अंतराज्यीय मार्ग पर पुल का निर्माण करे, ताकि जनता, व्यवसायियों और अन्य लोगों को राहत मिल सके ।

(x) Need to set up an AIIMS in Hamirpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): बुंदेलखंड आर्थिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र है और इस क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास की बहुत आवश्यकता है | विशेषकर कैंसर और किडनी के रोगों के लिए उपचार व्यवस्थाओं का आभाव है और मरीज इलाज के लिए दिल्ली या लखनऊ जाते है | मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर (उ०प्र०) के अधिसंख्यक जन गरीब हैं और उनको इलाज के लिए क़र्ज़ लेना पड़ता है जिससे वे क़र्ज़ के कुचक्र में फस जाते हैं और उनका पूरा जीवन बिखर जाता है | गंभीर रोगों जैसे हृदय में छेद,किडनी कैंसर, लीवर कैंसर,रीड की हड्डी में चोट व अन्य के ईलाज के लिए मरीज को दिल्ली,लखनऊ या अन्य बड़े शहरों को जाना पड़ता है | अत: मै लोक कल्याणकारी केंद्र सरकार से यह निवेदन करता हूँ कि महोबा (उ०प्र०),हमीरपुर .तिंदवारी जिलों में विशेष रूप से कैंसर और किडनी रोगों के उपचार की व्यवस्था के साथ साथ महोबा में एम्स का शीघ्रता से निर्माण किया जाए |

(xi) Need to restore passenger train services

श्री राहुल कस्वां (चुरू): कोरोना महामारी (कोविड-19) के दौरान के इस महामारी पर नियंत्रण करने के लिए सरकार ने ट्रेन व अन्य सेवाओं को बंद कर दिया था | अब आम आदमी की सुविधा को देखते हुए रेलवे द्वारा 1 मार्च 2021 से पैसेंजर ट्रेनों को स्पेशल ट्रेन का नाम देकर चलाने का कार्य किया है | जिसके तहत रेलवे द्वारा मेरे लोकसभा क्षेत्र चुरू में 12 ट्रेन चलाई गई है | पहले पैसेंजर ट्रेन का न्यूनतम किराया 10 रूपये होता था | लेकिन अब रेलवे द्वारा इन स्पेशल ट्रेन का न्यूनतम किराया 30 रूपये रखा गया है जो आम जनता पर भारी बोझ है। एक स्टेशन से चढ़कर दूसरे स्टेशन पर उतरने के दौरान न्यूनतम 30 रूपये देना होगा | गरीब, किसान व मजदूर लोगों के लिए यह किराया बहुत अधिक है । आमजन के लिए ट्रेन में यात्रा करना मुश्किल हो गया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि आमजन के हित को ध्यान में रखते हुए पूर्व की भांति पैसेंजर ट्रेनों का संचालन करवाने की व्यवस्था की जाए ।

(xii)Regarding revival of Cinchona plantations in Darjeeling and Kalimpong

SHRI RAJU BISTA (DARJEELING): The history of Cinchona Plantations in Darjeeling and Kalimpong is as old as the history of tea plantation in the region.

At the heights of its operations, the Cinchona Plantations were spread over an area of 26000 acres, ran 4 factories, and provided employment to around 7000 people.

The life saving Anti-Malaria drug Quinine was manufactured here and supplied across the world. Other plants Ipecach, Cardamom, Rubber, Mulberry, Turmeric, Mandarin Orange etc were also planted in these gardens.

However, due to the continued apathy, and neglect, these plantations are today struggling for their own existence. Despite immense potential and need for medicinal plants, Cinchona plantations are dying and the livelihood of thousands of workers are at stake.

I, therefore, request the Hon'ble Ayush Minister to kindly help rejuvenate the Cinchona plantations by taking them under the National Medicinal Plants Board and using the available land and manpower towards growing plants that will benefit the entire nation.

(xiii)Regarding effective implementation of the Rights of persons with Disability Act

SHRI VINCENT H. PALA (SHILLONG) : The Rights of Persons with Disability Act (RPD), promised equality and accessibility to everyone, yet its provisions remain confined to paper. Our public spaces and transport systems are largely inaccessible for the differently abled. Most footpaths are too narrow or broken for safe wheelchair use, all the buses don't have functioning ramps, our trains are not designed for wheelchair users, and several of our airports do not even have ambulifts.

Similarly, there has been no concerted effort to revamp government buildings or incentivise private buildings for a more inclusive infrastructure. I request the Government to be cognisant of this travesty on the rights of nearly 2.7 crore citizens of this country and do more to implement the RPD Act. Their social exclusion from mainstream society through systemic denial of access, and the general apathy of the society and political class, is something that needs to be remedied as soon as possible.

(xiv)Regarding construction of Rail overbridge in Chennai

Dr. KALANIDHI VEERASWAMY (CHENNAI NORTH) : Railways had approved the construction of Rail Overbridge at LC 2A & LC2B and people of the area were eagerly waiting for an early start of the project. The importance of ROB is not only for the people residing in the area, but also the whole of North Chennai. There are 18 lakh people residing in the areas. Large number of residents commute to South Chennai for work and other day to day activities. Non-availability of ROB is leading to congestion of existing roads and the public. Especially, children tend to follow unsafe practices like crossing the track at the existing LC. In fact, one of the biggest beneficiaries will be the Railway employees and their families, who reside in this area in significant numbers. I am very disappointed that a sanctioned project has been dropped. I, therefore, request the Union Government to revive the project at the earliest.

(xv)Regarding withdrawal of excise duty on petroleum products

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM) : Citizens have anguish and deep distress regarding the spiralling fuel and gas prices. India is witnessing systematic erosion of jobs, wages and household income. The middle class and those at the margins of our society are struggling. These challenges have been compounded by runaway inflation and an unprecedented rise in prices of almost all household items and essential commodities. The Centre and states have to “work together” to bring the retail prices under control. The government failed to bring down the high excise duties. As much as 60% of the retail price of petrol, which shot above Rs 100-mark in some places in Rajasthan and Madhya Pradesh and is at an all-time high elsewhere in the country is made up of Central and state taxes. I request to withdraw the excise duty imposed by the government on petroleum products.

(xvi)Need to construct a bridge on Kao river in Rohtas district, Bihar

श्री महाबली सिंह (काराकाट): मै सरकार का ध्यान कँव नदी पर पुल बनाने के संबंध मे आकर्षित करना चाहता हूँ| मेरे संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत रोहतास जिला के काराकाट प्रखंड के ग्राम – ईटढ़ीयां के पास कँव नदी पर पुल नही बनाने के कारण काराकाट प्रखंड के संझौली, विक्रमगंज के लोगो का आवागमन बाधित रहता है और लाखो लोगो को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है अत: मै सरकार से मांग करता हूँ कि काराकाट प्रखंड के ग्राम- ईटढ़ीयां के पास कँव नदी पर पुल का निर्माण अतिशीघ्र कराया जाये|

(xvii)Need to restart Hindi language-based services of Akashvani

श्री भर्तृहरि महताब (कटक): आकाशवाणी से प्रचारित अत्यंत महत्वपूर्ण विदेश सेवा की हिन्दी भाषा की सेवायें बंद कर दी गयी । जबकि अन्य भाषाओं जैसे कि उर्दू, इंडोनेशियाई, पारसी आदि भाषाओं का प्रसारण जारी है । देश की सीमाओं से जुड़े हुये क्षेत्रों मे विदेशी चैनलों के कार्यक्रम चल रहे हैं। नेपाल वासियों में दुष्प्रचार करने के साथ ही चीन की विदेश प्रसारण सेवा चाइना रेडियो इंटरनेशनल शार्टवेव के द्वारा हिन्दी प्रसारण के माध्यम से उत्तराखंड के बड़े हिस्से को प्रभावित किया जा रहा है । पहले चीन की हिन्दी सेवा अल्मोड़ा तक सुनाई देती थी,जबकि अब मैदानी क्षेत्र बिजनौर में भी इसे सुना जाता है। आकाशवाणी के हिन्दी भाषा के लोकप्रिय चैनल एफ़.एम.गोल्ड का स्वरूप बदल कर उसे केवल समाचार केन्द्रित कर दिया गया है ।यह चैनल बोलचाल की सरल व मानक हिन्दी में जानकारी और मनोरंजन देनेवाला अकेला चैनल था ।इसको पहले स्वरूप मे बहाल किया जाये। मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त बिन्दुओं पर विचार कर उचित कार्रवाई की जाये।

(xviii)Regarding infrastructural needs in tandem with ecology and environmental aspect of Lakshadweep Island

SHRI MOHAMMAD FAIZAL P.P. (LAKSHADWEEP) : Infrastructure such as roads, ports, and harbours, transportation needs to be in tandem with ecology and environmental aspect of Lakshadweep.

Necessary measures may be taken for the purpose.

(xix)Regarding closure of NTPC Kendriya Vidyalaya in Kayamkulam

ADV.A.M. ARIF (ALAPPUZHA) : Kendriya Vidyalaya, NTPC, Kayamkulam started functioning on 28-07-1999 in Project sector under the sponsorship of NTPC, Kayamkulam mainly to cater the educational needs of the wards of the project employees. Now NTPC plant in Kayamkulam has been closed for almost a decade and also, the authorities are closing down the KV attached to it too. Authorities have suspended admissions to the new classes. Kayamkulam NTPC School is the only KV in Alappuzha district and the future of the students studying there is in grave uncertainty. Including NTPC, there are several Central government institutions in the surrounding areas and has a population of around 20 lakh people. Closing down of the said KV will be a huge setback to the educational development and aspirations of thousands of poor students of the already backward district. Converting the KV from project sector to Civil Sector is a viable alternative to retain the School. I urge the Government to take urgent steps to convert the school from Project Sector to Civil Sector under MHRD and withdraw the decision of the closure of NTPC Kayamkulam Kendriya Vidyalaya as early as possible.

(xx)Regarding upgradation of existing infrastructure in ESI Model and Super Speciality Hospital in Asramam, Kollam

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (KOLLAM) : The ESI Model and Super Speciality Hospital, Asramam, Kollam is one of the important hospitals rendering service to the insured persons. The infrastructure of this hospital is not sufficient to meet the requirements of patients. Number of patients depending on ESI Model and Super Speciality Hospital Asramam is higher compared to any other ESI hospital. Due to the lack of infrastructure, the insured persons are facing difficulties. The proposal for construction of additional block, development of existing blocks are pending with the ESI Corporation. It is highly necessary to increase the number of beds, strengthen the OP, more theatre and lab for the smooth functioning of the hospital. The delay in infrastructure development of hospital is causing much difficulties to the insured persons. Hence, I urge to initiate urgent action for construction of the additional block, develop existing block and provide other infrastructure in ESI Model & Super Speciality Hospital, Asramam, Kollam.

माननीय सभापति : आप लोग प्लीज बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप लोग बहुत अच्छे लोग हैं, जनता आपको देख रही है। आप लोग भी अपनी बात रखिएगा क्योंकि आज महिला दिवस है।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप लोग मेरी बात सुनिए। सब के घर में महिला है और सभी को वह सम्माननीय है। आज महिला दिवस है, इसलिए महिलाओं का आदर कीजिए। आप महिला शक्ति को समझिए। आपके घर में भी महिला है, पत्नी है, मां है। इसलिए आप लोग अपनी सीट पर जाइए।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति : आज महिला सशक्तिकरण का दिवस है, इसलिए आप लोग प्लीज बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगण, आप मेरी बात पर थोड़ा ध्यान दीजिए।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि आज पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। आज की कार्यसूची में महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर श्रीमती नवनीत रवि राणा एवं डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यावती के नाम से ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सूचीबद्ध है। यह अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय है और अधिकाधिक सदस्य विशेषतया महिला सदस्य इस विषय पर अपने विचार रखना चाहती हैं जो कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के प्रारूप में सम्भव नहीं है। इसलिए सदन की भावना का सम्मान करते हुए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के अंतर्गत सूचीबद्ध इस चर्चा को नियम 193 के अधीन अल्पकालीन चर्चा के रूप में लिए जाने की अनुमति दी गयी है। जिससे ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को बोलने का अवसर मिल सके।

श्रीमती नवनीत रवि राणा – उपस्थित नहीं।

डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यावती।

…(व्यवधान)

19.03 hrs

DISCUSSION UNDER RULE 193
Empowerment of Women….Contd.

DR. BEESETTI VENKATA SATYAVATHI (ANAKAPALLE): At the outset, I would like to thank you for giving me an opportunity to initiate a discussion on the occasion of the International Women's Day. Hon. Chairperson, I am also thankful to our hon. Chief Minister, Shri Y. S. Jaganmohan Reddy *garu* that because of his special efforts, four women MPs are present in this august House from our YSR Congress Party, and I consider myself extremely fortunate to be one among those four MPs.

When I rise today to speak on the occasion of the International Women's Day, I start by reiterating the words of the founding father and architect of our Indian Constitution, Dr. Babasaheb Bhimrao Ambedkar ji, who once said and I quote his words:

> "I measure the progress of a community by the degree of progress which the women have achieved."

Therefore, Madam, I urge upon the entire House and the Government to focus on the empowerment of women and realise the true potential of the Indian women which as per ancient Indian traditions was equated with the almighty or Brahma as is visible in the famous Shloka of Atharva Veda "स्त्री हि ब्रह्मा बभूविथ".

Madam Chairperson, as one among the 78 women Members of this Lok Sabha, I feel honoured to share my thoughts with the House and initiate this discussion.

Madam Chairperson, I am a Gynaecologist by profession and I witness the discrimination against women first hand. This is most evident at the time of pregnancy and delivery. I have always tried to contribute in my own small way towards changing the perception of women both politically as well as professionally.

Hon. Chairperson, I wish to emphatically say that let this be an occasion to remind ourselves that we have been privileged to come this far, and let us take this opportunity to reaffirm and pledge ourselves to ensure that irrespective of our political differences we work hard in helping young girls in schools, colleges, etc., to come up in life and break the shackles of patriarchy which they will be facing at every stage of their life.

Hon. Chairperson, in this regard I would like to applaud the efforts of the Central Government that range from opening of Jan Dhan accounts for over 22 crore women, giving soft loans to them under MUDRA Yojana, launching of Beti Bachao, Beti Padhao, to taking the initiative of granting permanent commission to women in the armed forces. It is a matter of delight that such efforts have led to gross enrolment ratio of women in education and now being higher than males at

all levels, something which has already been previously highlighted by the hon. Finance Minister Shrimati Nirmal Sitharaman ji.

Madam Chairperson, I would like to highlight some of the key measures taken by the Government of Andhra Pradesh under the dynamic leadership of our Chief Minister Shri Y.S. Jaganmohan Reddy *garu*. Madam Chairperson, as it has been seen that malnutrition, stunting of growth, wasting and underweight conditions among children, and anaemia among women are endemic in certain areas of our State of Andhra Pradesh, to improve the situation the State Government has launched YSR Sampoorna Poshana programme which covered 3.18 lakh children and 0.66 lakh pregnant and lactating mothers in 77 Scheduled and Tribal Subplan Mandals spread over seven integrated Tribal Development Agencies.

Madam Chairperson, as a part of hon. Chief Minister Shri Y.S. Jaganmohan Reddy's constant efforts to empower women through various income support and direct benefit transfer schemes, YSR Cheyutha goes to play a cardinal role in leveraging the potential of women aged between 45 and 60 years in the State of Andhra Pradesh. The scheme envisages to provide financial assistance of Rs.18,750 per annum to women of SC, ST, BC, and minority communities for four years starting from 2020-21.

Madam Chairperson, the role of women in the State's rural and unorganised economy pivots around the SHG ecosystem. Therefore, to that end, YSR Aasara programme proposes to reimburse the entire outstanding bank loan of women SHGs as on 11th April, 2019, to the tune of Rs.27,168.83 crore in four instalments from the year 2020.

Madam Chairperson, with respect to women's safety, a very important point, our State Government of Andhra Pradesh has taken special steps for enhancing women's safety and security by enacting the stringent AP Disha Act, 2019. Amendments in the Indian Penal Code and Criminal Procedure Code have been made for ensuring completion of investigation and trial within 27 working days, and for providing death penalty in case of sexual offences against women and children.

To implement the Andhra Pradesh Disha Act 2019, the Government has also sanctioned establishment of 13 exclusive special courts, appointment of 13 special public prosecutors, upgradation of women police stations as Disha police stations, augmentation of facilities for setting up of Disha forensic labs, Disha call centres and Disha app, establishment of Disha facilities in teaching and in district hospitals, and standard operating procedure for investigation of cases of sexual offences against women and children. …(*Interruptions*) In this regard, I would also ask the Central Government's support …(*Interruptions*) This year, as per his commitment towards women's empowerment, our hon. Chief Minister of Andhra

Pradesh Shri Y.S. Jagan Mohan Reddy has decided to take various measures in this direction which will come to include granting of five additional casual leaves to women working as State Government employees, 10 per cent discount to women on purchase of mobile phones on the occasion of International Women's Day, signing up of an MoU with the Society for Elimination of Rural Poverty, the mission for elimination of poverty in municipal areas, and the mission of Hindustan Unilever for making sanitary pads available at YSR Cheyutha Shops at affordable prices.

Hon. Chairperson, Madam, I would request the Central Government to financially support the State of Andhra Pradesh including all the pro-women measures and also to replicate the best practices adopted by the Andhra Pradesh Government at the Centre as well as in other States. …(*Interruptions*) Hon. Chairperson, Madam, Economic Survey 2021 has called for a bunch of incentives for female workers.

डॉ. संघमित्रा मौर्य (बदायूं): माननीय सभापति महोदया, बहुत-बहुत धन्यवाद।…(व्यवधान)

महोदया, आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हमें अपनी बातों को रखने का मौका मिल रहा है, इसके लिए मैं आभार व्यक्त करती हूं।…(व्यवधान) साथ ही साथ, अपने विपक्ष के साथियों को यह भी कहना चाहूंगी कि साल में एक दिन यदि महिलाओं को मिलता है और यदि माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने महिलाओं के नाम पर एक दिन दिया है, हम उस पर चर्चा करना चाहते हैं तो हमारे विपक्ष को उसमें सहयोग करना चाहिए, न कि महिलाओं के हक और अधिकारों को छीनने के लिए यहां पर खड़े होकर नारेबाजी करने का काम करना चाहिए।…(व्यवधान)

महोदया, मैं बहुत बड़ी-बड़ी बातें तो नहीं करूंगी, लेकिन आज महिलाओं के साथ जो वास्तव में हो रहा है, मैं उस पर चर्चा जरूर करना चाहूंगी क्योंकि महिलाओं के साथ वह जो हो रहा है, कहीं न कहीं उन चीजों को विपक्ष के द्वारा बढ़ावा दिया जाता है।…(व्यवधान)

महोदया, इतिहास गवाह है कि आज़ादी से लेकर आज तक प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी हिस्सेदारी निभाई है और हिस्सेदारी ही नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाने का काम किया है।…(व्यवधान) यदि महिला घर को देखती है तो परिवार को और बच्चों को अच्छे से परवरिश करने का काम करती है।…(व्यवधान) यदि वह कामकाजी महिला के रूप में घर से बाहर निकलती है या राजनीतिज्ञ के रूप में घर से बाहर निकलती है तो उसको भी बखूबी निभाने का काम करती है, लेकिन फिर भी न जाने क्यों हमारा समाज महिलाओं को वह सम्मान नहीं देना चाहता, जिसकी वह हकदार है।…(व्यवधान) इस देश की राष्ट्रपति, इस देश की प्रधान मंत्री, यहां तक कि लोक सभा अध्यक्ष भी महिला रह चुकी हैं, लेकिन आज कहीं न कहीं हमारा अधिकार और हक हमसे दूर है।…(व्यवधान) यदि हम अन्य क्षेत्रों की भी बात करें, चाहे कल्पना चावला की बात करें या फिर सुनीता विलियम्स की बात करें, जिन्होंने अन्तरिक्ष में उड़ान भरी या चाहे हम संतोष यादव की बात करें, जिन्होंने तीन बार

हिमालय को नापा है, तो ऐसी एक नहीं, आज की तारीख में हमारी हजारों महिलाओं के ऐसे कार्य देखने को मिलेंगे, लेकिन फिर भी महिलाओं को शारीरिक और बौद्धिक रूप से कमजोर माना जाता है ।...(व्यवधान) यह पहले भी माना जाता था और आज भी माना जाता है ।...(व्यवधान) अगर महिलाएं कमजोर होती तो आज हम सबको शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए माता सावित्रीबाई फुले ने जो लड़ाई लड़ी और उस लड़ाई को लड़ कर हम सबको शिक्षा का अधिकार दिलाने का काम किया, वह अधिकार वे हम सबको नहीं दिला पातीं यदि वे शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर होतीं।...(व्यवधान)

यदि महिलाएं कमजोर होती तो वह रानी लक्ष्मीबाई नहीं होती। यदि महिलाएं कमजोर होती तो वह दुर्गा, चण्डी और काली नहीं होती ।...(व्यवधान) आज यदि हमें शक्ति की जरुरत होती है, साहस की जरुरत होती है तो हम माँ काली, माँ दुर्गा, माँ चण्डी के नाम का जाप करते हैं ।...(व्यवधान) आज हमें शिक्षा की जरुरत होती है तो हम माँ सरस्वती का नाम लेते हैं और माँ सरस्वती की पूजा करते हैं, आखिर वह भी महिला ही थी ।...(व्यवधान) समय-समय पर महिलाओं ने अपनी ताकत को दिखाया है। समाज को भी उस ताकत को देखना तथा पहचानना होगा। किसी भी वेद या पुराण में नहीं लिखा है कि महिलाओं को बराबर का हक या अधिकार न दिया जाए, लेकिन हमारा समाज कहीं न कहीं आज जिन वेदों और पुराणों को मानता हैं, उनकी भी अनदेखी करने का काम करता है और महिलाओं को पीछे रखने का काम करता है ।...(व्यवधान) तथागत भगवान बुद्ध ने भी महिला और पुरूष को मानसिक व आध्यात्मिक रूप से बराबरी का दर्जा देने का काम किया था ।...(व्यवधान) उसी कड़ी में यदि हम सनातन की भी बात करते हैं तो चाहे गौरी-शंकर की बात करें, सीता-राम की बात करें या राधे-कृष्ण की बात करें, हर जगह महिलाओं को ही बढ़ावा दिया गया, लेकिन आज वह इस समाज को स्वीकार नहीं है ।...(व्यवधान)

महोदया, लोग कहते हैं कि महिलाएं कमजोर होती हैं । यदि महिलाएं कमजोर होती तो महिलाओं के द्वारा पुरूष की जो उत्पत्ति होती है, उस उत्पत्ति का अधिकार महिलाओं को नहीं, बल्कि पुरूष को दिया गया होता ।…(व्यवधान) आज महिलाएं जननी हैं और उसी जननी को कमजोर का दर्जा दिया जा रहा है । …(व्यवधान) बेटियों को पढ़ाने के लिए रोका जाता है । आज हमारी सरकार चाहे उत्तर प्रदेश में हो, चाहे भारत के किसी अन्य प्रदेश में हो, वहाँ महिलाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है । आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में 'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ' या 'मिशन शक्ति' जैसे अभियानों के माध्यम से महिलाओं व बच्चियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है ।…(व्यवधान) यदि हम महिलाओं की मान-सम्मान की बात करें तो 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत इज्जत घर देने का काम किया गया हो या तमाम ऐसी योजनाओं के माध्यम से आज हमारी सरकार महिलाओं को आगे ले जाने का काम कर रही है ।…(व्यवधान)

महोदया, मैं कुछ और समय चाहूँगी, क्योंकि एक ही दिन का समय मिला है, भले ही तीन घंटे के बजाय छह घंटे चर्चा चले, लेकिन समय हम सबको मिलना चाहिए । आज हम बेटियों की हालत यह है कि कहीं हम जन्म से पहले मार दिए जाते हैं तो कहीं जन्म के बाद ।…(व्यवधान)

श्रीमती शताब्दी राय (बनर्जी) (बीरभूम): मैडम, आज 8 मार्च है – नारी दिवस, लेकिन इस 8 मार्च नारी दिवस को वह खुश हो या नहीं हो, यह सोच कर नहीं आता है ।...(व्यवधान) मैं यह सोचती हूँ कि आज हम सिर्फ फेसबुक पर हजारों लाइक डालें, ट्विटर पर हजारों मैसेज छापें तथा इस बात की वाट्सअप करें कि नारी माँ दुर्गा है ।...(व्यवधान) इससे अच्छा यह है कि आज नारी को माँ दुर्गा नहीं कहकर माँ को जाकर कहें कि माँ जिंदगी भर बहुत सह लिया है, हम लोगों के लिए बहुत सफर किया है, आज तुम खड़े हो जाओ ।...(व्यवधान) हम ऐसा नहीं कहें, आज बीबी को जाकर बोलें, बेटे को जाकर बोलें कि एक फूल देकर हैप्पी वूमेन डे नहीं कहें, लेकिन हर दिन सुबह एक चाय का प्याला लेकर बोले कि और दस मिनट्स ज्यादा रेस्ट ले लो । मैं यह सोचती हूँ कि आज बेटी को क्या सिखाऊँ, चलो अच्छी बेटी बनो, क्योंकि ससुराल जाकर चुपचाप सब कुछ सहना है, यह बताऊँ या यह बताऊँ कि नहीं, सच बताना, हर जगह पर सही काम करना, तब अच्छी बहू नहीं, अच्छे इंसान बनो ।...(व्यवधान)

देखिए मैं सरकार को दोष नहीं देती हूँ। जब 'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ' सुनती हूँ, सरकार के लिए नहीं, मैं बोलती हूँ कि सोसायटी के लिए सरकार ऐसा बना रही है ।...(व्यवधान) जब मैं यह सुनती हूँ तब मुझे लगता है कि कोई एनिमल को बताने के लिए बोलते हैं। कभी बोलते हैं कि पेड़ बचाओ तो क्लाइमेट चेंज हो जाएगा, क्या ऐसा है? बेटी को बचाओ और बेटी को पढ़ाओ, यह स्लोगन क्यों देना पड़ता है, क्योंकि सोसायटी अभी भी चेंज नहीं हुई ।...(व्यवधान)

मैडम, मैं यह कहना चाहूँगी कि अभी भी हम लोग जो एमपीज हैं, जो डॉक्टर्स हैं, वे सोसायटी में 2 परसेंट हैं। बाकी जो दूसरे हैं, वे अभी भी गाँवों में टॉर्चर होते हैं। उसका जीडीपी 4 से 2 प्वाइंट में आए या 4 से 8 प्वाइंट में गया, उसमें कुछ नजर नहीं आया ।...(व्यवधान) वह सोचती है कि मेरी बेटी आयशा बनकर साबरमती में आत्महत्या न करे ।...(व्यवधान) जो आप टीडीएस लगाते हैं, उसके साथ उनका कुछ लेना-देना नहीं है ।...(व्यवधान) वे सोचते हैं कि मेरे बेटे या बेटी को पढ़ाई के बाद अच्छी

नौकरी मिले।...(व्यवधान) जब आप सर्जिकल स्ट्राइक बोलेंगे, किस देश में क्या कर रहे हैं, उन लोगों को उससे कुछ लेना-देना नहीं है।...(व्यवधान) वे लोग यह सोचते हैं कि मेरा बेटा और मेरा स्वामी जब बाहर जाएंगे, रात को ध्यान से जिंदा वापस आएं, किसी क्रिमिनल की गोली से उनको मार न दिया जाए।...(व्यवधान)

महोदया, मैं यह बोलना चाहती हूँ कि जैसे यह बिल होता है।...(व्यवधान) यह बात है, मैं आज मजाक से बोलती हूँ, मेरी मदर टंग हिन्दी नहीं है, इसलिए थी, थे में गलत हो जाता है, लेकिन जब मैं बोलती हूँ कि मुझे गुस्सा आ रही है तो कोई मुझे सिखाता है कि गुस्सा आ नहीं रही है, गुस्सा आ रहा है।...(व्यवधान) जब मैं बोलती हूँ कि शर्म आता है, बोलते हैं कि शर्म आती है।...(व्यवधान) इसमें भी जेंडर चेंजेज़ हैं।...(व्यवधान) मैं जान-बूझकर उसे ठीक नहीं करूँगी, मैं बोलूँगी गुस्सा आ रही है।...(व्यवधान) मैं बोलूँगी शर्म आना चाहिए, शर्म आता है, आती नहीं है।...(व्यवधान) मैं यह बोलना चाहती हूँ कि आज जो दिन है, इसमें हम लोग यह भी शपथ करें, यह भी संकल्प लें कि लॉ क्या बना रहे हैं, बिल क्या पास हो रहा है, सुप्रीम कोर्ट में जजमेंट क्या दे रहे हैं, उसके बाद महिला के आगे बढ़ने के लिए जजमेंट आ रहे हैं।...(व्यवधान) ये बिल महिला के आगे जाने के लिए आ रहे हैं।...(व्यवधान) आज वूमेन्स डे पर हम लोग ऐसा संकल्प लें।...(व्यवधान) हम लोग इसका मिसयूज नहीं करेंगे।...(व्यवधान) देश को भी एक संकल्प लेना होगा। जैसे हम लोग पोलियो मुक्त दिन सोचते हैं, ऐसे ही घर्षणमुक्त भारत चाहिए।...(व्यवधान) ऐसे ही हम लोगों को दहेज मुक्त भारत चाहिए।...(व्यवधान) धन्यवाद।

श्रीमती नवनित रवि राणा (अमरावती): सभापति महोदया, मैं सदन का बहुत-बहत धन्यवाद करती हूं।...(व्यवधान) I would like to invite the attention of the hon. Minister of Women and Child Development to this issue. Thank you so much, Smriti Irani Ji. ...(व्यवधान) सबसे पहले तो मैं सदन के सभी सदस्यों को महिला दिवस की शुभकामनायें देती हूं।...(व्यवधान) विशेष रूप से सदन में उपस्थित सभी सांसद, मेरे वरिष्ठ सहयोगी, आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी जी, श्रीमती रमा देवी जी, श्रीमती निर्मला सीतारमण जी, श्रीमती हरसिमरत कौर जी और श्रीमती स्मृति ईरानी जी, इनसे मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ न कुछ इस सदन में पिछले दो सालों से बहुत कुछ इनके पेशेंस के मामले में, इनके कामों के मामले में, इनके आंसर्स के मामले में, किस तरीके से काम करते हैं, बहुत व्यक्तिगत रूप से मैं यहां सीख रही हूं।...(व्यवधान)

हमारा समाज वह है जहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, रानी पद्मावती ने दुनिया को अपना शौर्य दिखाया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और उसके बाद कस्तूरबा गांधी, सरोजिनी नायडू, पॉयलट लक्ष्मी सहगल और श्रीमती इंदिरा गांधी जी की बहादुरी हमें आज तक प्रेरणा देती है। श्रीमती सिंधुताई सपकाल, आदरणीय प्रतिभाताई पाटिल जो पहली महिला राष्ट्रपति हमारे देश की बनीं और वे जिस क्षेत्र से बिलाँग करती हैं, उस क्षेत्र से मैं आज रिप्रेजेंट कर रही हूं। वह हमारे देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं, इसका हमें गर्व है। ...(व्यवधान)

आज के टेक्नोलॉजी के आधुनिक युग में महिलाएं अपने पुरुष सहयोगियों के साथ समान रूप से योगदान दे रही हैं। भारत की मिसाइल महिला टेसी थॉमस, रोहिणी गोडबोले और नंदिनी हरिनाथ ने भारत में टेक्नोलॉजी रिवोल्यूशन का आगाज किया। ...(व्यवधान)

मैडम, मुझे शुरुआत करनी थी। मैंने मिस कर दिया, तो मुझे दो मिनट ज्यादा दिए जाएं, क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है। …(व्यवधान) मेरे राज्य की हर महिला जीजामाता से प्रेरणा लेती है जिन्होंने अपने बेटे छत्रपति शिवाजी महाराज राजा …(व्यवधान)

In Maharashtra, we say, "How should a king be? A king should be like Chhatrapati Shivaji". That is the kind of inspiration given to us by our Jijabai.

मेरे विदर्भ क्षेत्र से ताराबाई शिंदे को पहली महिलावादी माना गया था, जिन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। मुझे गर्व है कि मैं उस राज्य से ताल्लुक रखती हूं, जहां सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा की पहली शुरुआत की, नींव रखी। उन्होंने पूना के एक स्कूल से शुरुआत की, जहां महिलायें अपने शिक्षण की शुरुआत करती हैं। ऐसी हमारी सावित्रीबाई फुले थीं। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के जीवन में सभी जानते हैं कि रमा बाई का क्या योगदान था। मदर टेरेसा, अहिल्याबाई होल्कर हम सभी को प्रेरित करती हैं। आज महिला दिवस, महिला उपलक्ष्यों में मनाया जाता है। अच्छी चीजें और अच्छी चीजों पर काम करने का आज का दिन रहता है।

मैं सभी अपोजीशन वालों से रिक्वेस्ट करूंगी, पहली बार 78 महिला सांसद हाउस में आए हैं, इसलिए हम लोगों को यहां अपनी बात रखने के लिए मौका देना चाहिए। मुझे लगता है कि ये हल्ला हम किसी और दिन कर सकते हैं, आज महिला दिवस पर ऐसा करना उचित नहीं है। …(व्यवधान)

I would seek the attention of Smriti Irani Ji, hon. Minister. I will tell you one story of mine. सभी लोग कहते हैं कि भ्रूण हत्या रोकनी चाहिए। मुझे लगता है कि वर्ष 2014 में जब से यह सरकार आई है, इस पर काम किया गया है और भ्रूण हत्या पर रोक लगाई गई है। मिनिस्ट्री ने इस पर काम शुरू किया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, I will tell you my experience यहां सभी सांसद

---

* English translation of this part of the speech was originally delivered in Marathi.

उपस्थित हैं, I was actually an unwanted girl in our family. मैं एक ऐसी गर्ल बेबी चाइल्ड हूं, मेरे परिवार में दूसरी बेटी का कभी स्वागत नहीं हुआ। पहले हॉस्पिटल गए और डॉक्टर न मिलने के कारण …(व्यवधान) यह बहुत इम्पार्टेंट है और इस सब्जेक्ट के साथ बहुत इमोशनली रूप से यह जुड़ा है। पहली बेटी का स्वागत बहुत अच्छे से किया गया, किन्तु जब दूसरा बच्चा हुआ, तब उन्हें यह डर था कि कहीं बेटी न हो जाए, इसलिए हॉस्पिटल जाना है और बच्चा नहीं चाहिए। अगर बेटी हुई तो क्या करेंगे, दो-दो बेटी को घर में रखकर क्या करेंगे?

मेरा नसीब अच्छा था कि न डॉक्टर मिला और न उस पर कुछ हुआ, इसलिए आज मैं आप लोगों के सामने खड़ी हूं। I am very proud that I am a proud daughter and my kids are proud of their mother. मुझे लगता है कि मेरी जैसी बहुत सारी ऐसी लड़कियां हैं, जिन्हें हम गर्भ में ही समाप्त कर देते हैं। आज भी इस तरह के सोच-विचार के लोग भारत में रहते हैं। …(व्यवधान) जिनको लड़कियों के पैदा होने से दुख होता है और वे उसे बोझ समझते हैं।

आदरणीय शरद पवार साहब, जिन्होंने महाराष्ट्र में अपने द्वारा एक सबसे बड़ा उदाहरण दिया है। एक बेटी से अपने को संतुष्ट मानते हुए पूरे देश में लोगों को एक सामाजिक संदेश दिया है।

मुझे लगता है कि आपको मुझे दो मिनट और बोलने के लिए दे देने चाहिए। …(व्यवधान) मुझे खुशी है कि श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने सशक्तीकरण के लिए अच्छे प्रयास किए हैं।

माननीय सभापति: अब आप बैठ जाइए। मैं बहुत दुख के साथ आपको बैठने के लिए कह रही हूं। आज महिला दिवस है, एक दिन के लिए भी हमारे भाइयों को तकलीफ है।

श्रीमती नवनित रवि राणा: सभापति महोदया, एक चीज सुन लीजिए, Give me two minutes to conclude my speech.

माननीय सभापति: आज मैं अपने मन को मारकर कह रही हूं, इन लोगों से आग्रह करने के बाद भी ये लोग नहीं माने।

श्रीमती नवनित रवि राणा: सभापति महोदया, मुझे खुशी है कि नरेन्द्र मोदी जी की सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए अच्छा प्रयास कर रही है। इस दौरान भारत के इतिहास में पहली बार आर्मी में महिलाओं को परमानेंट कमीशन दिया गया, इस वक्त आईएनएस वी के तरुणी जो कि ऑल विमेन क्रु थी, उसने दुनिया की परिक्रमा पूरी की, जैसे महिला रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण जी ने हरी झंडी दिखाई। …(व्यवधान) हाल ही में 9 जनवरी को एयर इंडिया की ऑल वुमेन पायलट टीम ने ध्रुव से जाने वाली सबसे लम्बी हवाई यात्रा सम्पन्न की।

माननीय सभापति: सभा की कार्यवाही मंगलवार, 09 मार्च, 2021 को प्रात: ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

<u>19.29 hrs</u>

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday March 9, 2021/ Phalguna 18, 1942 (saka)

____